

## ‘मेड इन इंडिया’ पुस्तक

### चर्चा में क्यों?

19 फरवरी, 2022 को भारतीय रेलवे लेखा सेवा की अधिकारी तारिका रॉय और भारतीय वदेश सेवा की अधिकारी सौम्या गुप्ता द्वारा संयुक्त रूप से लिखी गई पुस्तक ‘**Mad(e) in India**’ पर आईएस लटिरेरी सोसायटी राजस्थान द्वारा वरचुअल इंटरैक्शन सेशन के माध्यम से चर्चा की गई। तारिका रॉय और सौम्या गुप्ता की यह पहली कतिाब है।

### प्रमुख बडि

- तारिका रॉय ने अपनी कतिाब पर चर्चा करते हुए बताया कि यह पुस्तक हमारे देश भारत और भारतीयों की आदतों, रहन-सहन, आचारखरव्यवहार तथा यहाँ की संस्कृति एवं परंपराओं के मजेदार पहलुओं की खोज है।
- इस कतिाब से हर भारतीय खुद को जोड़ सकता है। यह पुस्तक बताती है कि हम एक व्यक्ति और एक राष्ट्र के रूप में कौन हैं, हमारी वचिर्ता, अंधवशिवास, असंख्य देवी-देवता और पवतिर पुरुष, हमारे भीड़खरभाड़ वाले शहर और सड़कें, फलिमी सतिारों और फलिमी शैली के साथ हमारा जुनून, बड़ी और छोटी सभी समस्याओं को हल करने के हमारे जुगाडू तरीके, हमारे वविधि व्यंजन, सांस्कृतिक परंपराएँ और कला रूप तथा वविधिता में एकता, जो हमारे सतही मतभेदों को पाटती है।
- इस पुस्तक का एक अध्याय भारतीय रेल से संबंधति वभिन्नि पहलुओं से जुड़ा है, जो पाठकों की बहुत-सी यादें ताजा कर देगा।
- सौम्या गुप्ता ने बताया कि यह कतिाब हमारे देश से बाहर रहने वाले लोगों को भी रोचक, अनूठे और वशिषिट भारत की तस्वीर दखिाएगी। इस कतिाब में पाठकों को ट्रकों के पीछे लिखी इबारतों से लेकर लोगों के मुँह पर रहने वाले तकिया कलामों के मजेदार रूप पढ़ने को मल्लिगे। साथ ही पैरेंटल कंट्रोल और हाईवे स्पेशल ढाबों की दुनिया के मजेदार कसिसे भी। इस पुस्तक में देश की वशिषिताओं और अनोखेपन को एक नए तरीके से पाठक के सामने रखने का प्रयास कया गया है।